सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

RNI No: UPHIN/2023/86769

www.swarajindianews.com

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

मूल्यः ₹02

स्वराज इंडिया

सांध्यकालीन समाचार पत्र

कानपुर, रविवार, 29 जून, 2025
वर्षः 02, अंकः 176, पृष्ठः 8+4

मुश्किल में फंसे आरसीबी के स्टार यश दयाल

» Pg 12

इनसाइड इंग्लिश चैनल पार करने वाले पहले आईएएस अभिनव गोपाल... » Pg03

कानपुर की तीन सौ साल पुरानी जगन्नाथ रथ यात्रा में भिड़े गुट

झांकियां निकालते समय बोतल-मंजीरा फेंककर मारा, 9 लोग घायल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। कानपुर में जगन्नाथ रथ यात्रा के दूसरे दिन भी हंगामा-मारपीट हुई। शनिवार रात यात्रा के दौरान मंडल और एक दूसरे गुट के लोगों ने मारपीट कर दी। रथयात्रा में निकलती हुई झांकियां और नृत्य कर रहे मंडल के लोगों पर जर्नलगंज क्षेत्र के अंतर्गत प्रभात होटल के पास लोग पानी की बोतल, मंजीरा, झुनझुना से एक-दूसरे को मारने लगे। पुलिस और विधायक अमिताभ बाजपेई ने लोगों को समझा कर अलग कराया। मौके पर पुलिस भी पहुंच गई। कुछ ही देर में फिर से रथ यात्रा निकालना शुरू हो गई। मारपीट में 9 लोग घायल हुए हैं।

रुककर संगीत-धुन न बजाने को लेकर पीटा : श्री दोसर वैश्य नवयुवक मंडल के उपाध्यक्ष सुरेश गुप्ता ने बताया- रथ यात्रा निकल रही थी। तभी कुछ लोगों ने अचानक कोल्डड्रिंक की बोतल फेंककर मारने लगे। इसके बाद मारपीट

शुरू कर दी। शुक्रवार को भी झगड़ा करने की कोशिश की गई थी। शनिवार रात को कुछ लोगों ने प्रयास किया कि यात्रा उनके चौराहे से ना निकल सके। इसलिए ऐसा किया गया। बालवीर कृष्णा गुप्ता जो कि श्री दोसर वैश्य नवयुवक मंडल के सदस्य हैं। उन्होंने बताया कि जनरलगंज के प्रभात होटल के पास शुक्रवार को भी जब मंडल द्वारा यात्रा निकल रही थी तो लोगों ने कहा कि यहां पर संगीत की धुन को बजाया जाए। लेकिन, यात्रा आगे निकल गई। वहां पर मंडल के लोग नहीं रुके थे। इस खुन्नस के चलते शनिवार को जब हमारे मंडल की यात्रा निकाल रही थी, तो उन लोगों ने मारपीट कर दी।

समाजवादी पार्टी से आर्यनगर विधायक अमिताभ बाजपेई ने बताया- उस समय वहां पर पुलिस मौजूद नहीं थी। किसी तरह से दोनों लोगों को हटाया गया, लेकिन कुछ लोगों के सिर पर चोट आ गई। उन्हें अस्पताल भेजा गया है। जिन दो गुटों में झगड़ा हुआ उनका कोई शायद व्यक्तिगत झगड़ा है। क्योंकि बताया जा रहा है कि कल भी इसी मंडल से कुछ विवाद हुआ था। श्री दोसर वैश्य नवयुवक मंडल के पदाधिकारी ने बताया की तीन लोगों के सिर पर चोट लगी है। इसके साथ ही कई लोगों के हाथ, पैर और मुंह पर चोट आई है। नौ लोग घायल हुए हैं। मारपीट में आयुष गुप्ता (18), नवीन गुप्ता (56), अपूर्व गुप्ता (35), अमन गुप्ता (30), कृपा शंकर, प्रवीण गुप्ता, अमित तिवारी घायल हुए हैं ।

बुजुर्गों को राहत

60 वर्ष वालों को भी मिलेगा आयुष्मान योजना का लाभ

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। ऐसे परिवार जिनके सभी सदस्यों की आयु 60 वर्ष व उससे अधिक है तो उन्हें आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना का लाभ दिया जाएगा।

उत्तर प्रदेश में ऐसे 11.04 लाख परिवार हैं और राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) ने इनका डाटा अब लाभार्थियों की सूची में जोड़ लिया है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से सभी जिलों के जिलाधिकारियों को इन परिवारों के आयुष्मान कार्ड बनाने के निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

प्रदेश में ऐसे 11.04 लाख परिवारों को मुफ्त इलाज का मिलेगा फायदा : अब लाभार्थी परिवारों की संख्या बढ़कर 1.81 करोड़ हो गई है। इस योजना के तहत एक पात्र परिवार एक वर्ष में पांच लाख रुपये तक का निशुल्क उपचार सरकारी या निजी अस्पताल में करा सकता है।

इलाज के दौरान मौत

मालेगांव, मुंबई धमाकों से जुड़ा था नाम, लंबे संमय से तिहाड़ में काट रहा था सजा

दिल्ली के अस्पताल में आईएसआईएस आतंकी की मौत

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

दिल्ली। दिल्ली में शनिवार को आईएसआईएस के एक आतंकी की मौत हो गई। मालेगांव और मुंबई धमाकों से जुड़े मामले में इसका नाम सामने आया था। पुलिस ने इसके मौत के बाद घटना की पूरी जानकारी दी है। दरअसल, बुधवार को ही इसका तबीयत खराब हो जाने बाद एलएनजेपी हॉस्पीटल में ले जाया गया था, मगर स्थिति में सुधार ना होने की वजह से उसे सफदरजंग अस्पताल में रेफर कर दिया गया, जहां ब्रेन स्ट्रोक आने की वजह से मौत हो गई। आरोपी आतंकी दिल्ली-पडघा आईएसआईएस आतंकी मॉड्यूल का मुख्य आरोपी माना जाता है। वह प्रतिबंधित संगठन स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया के पूर्व प्रमुख रह चुका है। उसकी पहचान साकिब अब्दुल हमीद नाचन (63) के रूप में हुई है।

नाचन पिछले कुछ समय से दिल्ली की तिहाड़ जेल में न्यायिक हिरासत में था। सोमवार को तबीयत बिगड़ने के बाद उसे दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हालत गंभीर होने पर उसे बुधवार सुबह सफदरजंग अस्पताल शिफ्ट किया गया, जहां उसे आईसीयू में रखा गया था। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी के अनुसार, साकिब नाचन आईएसआईएस से जुड़े आतंकियों की मदद करने के आरोप में जांच के घेरे में था। उस पर गंभीर आतंकवाद विरोधी कानूनों के तहत मुकदमा दर्ज था। जांच एजेंसियों के मुताबिक, नाचन आतंकियों को वित्तीय और लॉजिस्टिक मदद उपलब्ध कराता था। अस्पताल सूत्रों के अनुसार उसकी हालत लगातार बिगड़ रही थी। ब्रेन स्ट्रोक के कारण शरीर ने प्रतिक्रिया देना बंद कर दिया था। साकिब नाचन का नाम पहले भी मालेगांव और मुंबई धमाकों जैसे मामलों में सामने आया था।

रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण के समय बना वैकल्पिक रास्ता बदहाल

» स्थानीय दुर्घटनाओं का बन रहा कारण

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर देहात (रूरा)। जनपद के रूरा कस्बे में पिछले 4 वर्षों से रेलवे ओवरब्रिज निर्माण के कारण स्थानीय नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। रूरा रेलवे क्रॉसिंग बंद होने के चलते क्षेत्रीय आवागमन पूरी तरह वैकल्पिक मार्गों पर निर्भर रहा।

इस दौरान छोटे-बड़े सभी वाहन भटौली मोड़ से होकर जगदीशपुर, भारापुरवा, सरायां, गढेवा, इंजुआरामपुर होते हुए गेंदामऊ तक का रास्ता अपना रहे हैं। लेकिन लगातार भारी यातायात दबाव के चलते यह वैकल्पिक मार्ग अब पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुका है। जगह-

सड़क निर्माण को लेकर विधायक/मंत्री प्रतिभा शुक्ला को दिया जा चुका है ज्ञापन

जगह गड्ढे, जलभराव और टूटी सड़कों के कारण आमजनमानस को रोजाना भारी दिक्कतों

का सामना करना पड़ रहा है।स्थानीय निवासी शिवा पांडेय पुत्र हरिकांत पांडेय, ग्राम सरायां (तहसील अकबरपुर) ने बताया कि जिलाधिकारी को पत्र लिखकर समस्या की ओर ध्यान आकर्षित किया गया था। लेकिन इसके बाद भी लगभग 4.5 किलोमीटर लंबे इस

मार्ग पर न तो मरम्मत हो रही है और न ही कोई स्थायी समाधान दिखाई दे रहा है। इससे आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं और बीमार, बुजुर्ग, स्कूली बच्चे सभी को आवागमन में खासी परेशानी हो रही है। शिवा पांडे ने बताया कि

ग्रामीणों की मांग है कि इस मार्ग की अत्यंत शीघ्र मरम्मत करवाई जाए ताकि लोगों को राहत मिल सके और संभावित दुर्घटनाओं को टाला जा सके। यह मार्ग इस समय स्थानीय जनजीवन की लाइफलाइन बन चुका है, और इसका सुरक्षित रहना आवश्यक है।

ऑपरेशन नन्हें फरिश्ते

आरपीएफ ने तीन नाबालिग बच्चों को किया रेस्क्यू कर चाइल्ड लाइन को सौंपा

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) पोस्ट कानपुर सेंट्रल द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन नन्हें फरिश्ते के तहत बीते सप्ताह तीन नाबालिग बच्चों को सुरक्षित रेस्क्यू कर चाइल्ड लाइन के हवाले किया गया।प्राप्त जानकारी के अनुसार, कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन से दो नाबालिग बालिकाएं — ज्योति उर्फ पायल, गीता कुमारी — और एक नाबालिग बालक — अनमोल — को आरपीएफ ने संदिग्ध स्थिति में पाया और तत्काल कार्रवाई करते हुए उन्हें पोस्ट पर लाकर सुरक्षित रखा। पूछताछ में तीनों बच्चों ने बताया कि वे घर से नाराज़ होकर निकल आए थे।बच्चों को समझा-बुझाकर महिला बल सदस्यों की निगरानी में पोस्ट पर सुरक्षित रखा गया और उनके द्वारा बताए गए परिजनों के नंबरों पर संपर्क स्थापित कर सूचित किया गया। आगे की कार्रवाई के लिए तीनों बच्चों को चाइल्ड लाइन, कानपुर नगर के सुपुर्द किया गया।

बच्चों के परिजनों ने आरपीएफ के इस सराहनीय कार्य की प्रशंसा करते हुए आभार प्रकट किया। आरपीएफ के अनुसार, वर्ष 2025 में अब तक कुल 29 नाबालिग बच्चों को रेस्क्यू कर चाइल्ड लाइन को सौंपा गया है। यह अभियान लगातार जारी है।

इटावा में पंडिताइन रेनू तिवारी पर मुकदमा दर्ज

विशेष संवाददाता स्वराज इंडिया

इटावा। दाँदरपुर गांव में कथावाचक विवाद के बाद सोशल मीडिया पर लगातार चर्चा में बनी पंडिताइन रेनू तिवारी पर इटावा पुलिस ने गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। आरोप है कि रेनू तिवारी द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से जाति विशेष के विरुद्ध अभद्र टिप्पणियां कर सामाजिक सौहार्द और कानून-व्यवस्था को प्रभावित किया जा रहा था।

पुलिस के अनुसार, थाना बकेवर में दर्ज मुकदमे में रेनू तिवारी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 196, 299, 352 और आईटी एक्ट की धारा 67 के अंतर्गत प्राथमिकी पंजीकृत की गई है।बता दें कि कथावाचकों से जुड़े विवाद के बाद जिले में पहले ही तनावपूर्ण माहौल बना हुआ था। इसके बावजूद रेनू तिवारी लगातार सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक और भड़काऊ टिप्पणियां करती रहीं, जिससे सामाजिक समरसता पर विपरीत प्रभाव पड़ा। सूत्रों के अनुसार, समाजवादी पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने कल वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एस्क) से मिलकर रेनू तिवारी के खिलाफ

» सोशल मीडिया पर जाति विशेष को लेकर की थी अभद्र टिप्पणी

कानूनी कार्रवाई की मांग की थी, जिसके बाद पुलिस ने यह कदम उठाया।पुलिस ने बताया कि मामले की जांच साइबर सेल के माध्यम से भी की जा रही है, और रेनू तिवारी द्वारा पोस्ट की गई सभी सामग्रियों को डिजिटल फॉरेंसिक के तहत सुरक्षित किया गया है। प्रशासन का कहना है कि कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।फिलहाल पंडिताइन रेनू तिवारी की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

एक मैच देश के नाम

सक्षम नेतृत्व सशक्त सैन्य शक्ति

भारतीय सेना के अनवरत शौर्य-साहस एवं पराक्रम को समर्पित

(SADBHAVNA CRICKET MATCH)

सांसद XI V/S सेना XI

दिनांक : 29 जून 2025 | समय : सायं 05:00 बजे से प्रारम्भ | स्थान : ग्रीन पार्क इण्टरनेशनल स्टेडियम, कानपुर

कार्यक्रम उद्घाटन

मा. श्री संजय सेठ
रक्षा राज्य मंत्री, भारत सरकार

मा. श्री केशव प्रसाद मौर्य
उप मुख्यमंत्री, उ0प्र0 सरकार

सांस्कृतिक कार्यक्रम

स्वाति मिश्रा	कविता तिवारी	कन्हैया मित्तल
राम आएँगे	अंतरराष्ट्रीय कवयित्री	भजन गायक

आयोजक
रमेश अवस्थी
सांसद-कानपुर

कार्यक्रम संयोजक : कानपुर पुलिस कमिश्नरेट / प्रशासन

मातृशक्ति जिनके पास प्रवेश पास नहीं है ,
वो गेट नंबर 2A से प्रवेश करें (New Players Pavilion 2nd floor)

अन्य क्रिकेट प्रेमी जिनके पास प्रवेश पास नहीं है
वो गेट नंबर 1A व 10A से प्रवेश करें

सहयोगी: SHUDH PLUS ELAICHI

SHREE GANGA VALLEY Hotel & Banquets, Bithoor, Kanpur

जगन्नाथ रथयात्रा में फिर बवाल...

मारपीट और पथराव, इस वजह से हुई कहासुनी और बहसबाजी

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। कानपुर के जनरलगंज में जगन्नाथ रथयात्रा के दूसरे दिन भी देर रात 10 बजे बवाल हो गया। दो मंडलों के पदाधिकारियों में मारपीट हुई। पत्थर चले और वाद्य यंत्रों से एक दूसरे पर हमला किया गया। इसमें बच्चे, महिलाओं समेत 10 से अधिक लोग घायल हो गए। आरोप है कि एक मंडल की महिलाओं से दूसरे मंडल के पदाधिकारियों ने बदसलूकी की।

शनिवार रात जनरलगंज से जगन्नाथ रथयात्रा उठी और नयागंज चौराहे के पास पहुंची। यहां पर श्री ओमर वैश्य बाल गोपाल जी सेवा समिति की ओर से श्रद्धालुओं के लिए पानी और कोल्ड ड्रिंक का स्टॉल लगा था।

बताया जा रहा है कि दूसरे मंडल श्री दोषर वैश्य नवयुवक मंडल के पदाधिकारी वहां से गुजरे और दोनों मंडलों के पदाधिकारियों के बीच विवाद शुरू हो गया। एसीपी चकेरी अभिषेक पांडेय ने बताया कि मामला शांत करा दिया गया है।

पहले दिन होती कार्रवाई तो न बढ़ता बवाल

जगन्नाथ रथयात्रा के पहले दिन भी श्री ओमर वैश्य बाल गोपाल जी सेवा समिति और श्री दोषर वैश्य नव युवक मंडल के पदाधिकारियों के बीच मारपीट और कहासुनी हुई थी। एक मंडल की महिलाओं ने दूसरे पदाधिकारियों पर नशे में धुत होकर अभद्रता करने का आरोप लगाकर बादशाहीनाका थाने में शिकायत की थी। हालांकि पुलिस की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई।

इसका नतीजा यह हुआ कि दूसरे दिन शनिवार रात फिर से मारपीट और पथराव हुआ।

श्री ओमर वैश्य बाल गोपाल जी सेवा समिति के दीप कुमार ओमर ने आरोप लगाया है कि 27 और 28 जून की रात करीब दो बजे उनके स्टाल पर श्री दोसर वैश्य नवयुवक मंडल के कुछ लोग पानी पीने के लिए आए। वह नशे में धुत थे। उन्होंने महिलाओं से अभद्रता की। मौके पर मौजूद युवकों ने जब उनका विरोध किया तो देख लेने की धमकी दी। दीप कुमार का आरोप है कि पुलिस की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई।

अगर कार्रवाई की जाती तो दूसरे दिन मारपीट और पत्थर नहीं चलते।

एसीपी कलक्टरगंज आशुतोष सिंह ने बताया कि पहले दिन कोई मारपीट या हंगामे की कोई सूचना नहीं है। बादशाहीनाका थाने में भी किसी तरह की कोई शिकायत नहीं पहुंची है। दोनों ही मंडल पहले एक थे।

किसी कारण से दोनों अलग अलग हो गए। उनके बीच करीब चार साल से मनमुटाव चल रहा है। बादशाहीनाका इंस्पेक्टर घायलों का मेडिकल करा रहे हैं। रविवार को रिपोर्ट दर्ज की जाएगी।

दूसरे पक्ष को भी बुलाया गया है। उनकी बात भी सुनी जाएगी।

भाजपा नेता के घर हुई चोरी का अब तक नहीं हुआ खुलासा

» सांसद ने डीसीपी से की फोन पर बात

जांच में तेजी लाने के दिए निर्देश, जनता में गहराया आक्रोश

शनिवार को भाजपा नेता विक्रम मिश्रा के घर पहुँचे सांसद

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर (कानपुर)। भाजपा नेता विक्रम मिश्रा के घर हुई चोरी की गुत्थी अभी तक नहीं सुलझ सकी है, जिससे आम लोगों में ही नहीं, बल्कि राजनीतिक गलियारों में भी नाराजगी फैलती जा रही है।

चोरी की इस गम्भीर घटना पर अब सांसद ने खुद मोर्चा संभाल लिया है। शनिवार को पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ भाजपा सांसद ने स्वयं विक्रम मिश्रा के घर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और उन्होंने डीसीपी से फोन पर बात कर जांच में तेजी लाने और जल्द खुलासे के निर्देश दिए। मालूम हो कि चोरों ने मिश्रा के घर से नकदी और कीमती सामान पर हाथ साफ कर दिया था। कई दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस के हाथ खाली हैं। इससे न सिर्फ भाजपा कार्यकर्ताओं में रोष है, बल्कि आम नागरिक भी खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। चोरी ने वारदात को अंजाम तब दिया जब विक्रम मिश्रा परिवार व दोस्तों संग बाहर घूमने गए थे। कोतवाल अशोक कुमार ने बताया कई लोगों से पूछताछ की गई। जल्द ही घटना का खुलासा करेंगे।

सम्पादकीय

फिर भी भारत बेटों पर मोहित

देशकाल-परिस्थितियों और बदलती जरूरतों के अनुरूप वैश्विक स्तर पर एक सूक्ष्म, लेकिन महत्वपूर्ण बदलाव दृष्टिगोचर हो रहा है। यह बदलाव लिंग प्राथमिकताओं को लेकर वैश्विक दृष्टिकोण में आ रहे परिवर्तन का है। जैसा कि हाल ही में 'द इकनॉमिस्ट' द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट में कहा गया है कि लड़कों के प्रति सदियों पुराना झुकाव अब कम हो रहा है। दुनियाभर में, अतिरिक्त पुरुष जन्म की संख्या- जो वर्ष 2000 में 1.7 मिलियन तक अधिक थी, साल 2025 तक लगभग दो लाख तक गिर गई है। निस्संदेह, यह प्रजनन विकल्पों में एक अप्रत्याशित बदलावों का संकेत है। यहां तक कि दक्षिण कोरिया और चीन में, लिंग अनुपात सामान्य या यहां तक कि बेटी की पसंद के संकेत दिखाने लगा है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि इस बदलाव की असल वजह क्या हैज दरअसल, माता-पिता में यह धारणा बलवती होती जा रही है कि बेटियां उनकी ढलती उम्र में धीरे-धीरे अधिक विश्वसनीय देखभाल करने वाली साबित हो सकती हैं। उन्हें परिवार से गहरे तक जुड़े रहने की अधिक संभावना के रूप में देखा जाने लगा है। आज बेटियों को बेटों के मुकाबले बेहतर शैक्षणिक प्रदर्शनकर्ता के रूप में देखा जा सकता है। तेजी से कामकाजी दुनिया का हिस्सा बनने के कारण वह आर्थिक रूप से स्वावलंबी होती जा रही है। बल्कि कई देशों में तो महिलाओं की बैचलर डिग्री की संख्या तक पुरुषों की तुलना में अधिक है। पश्चिमी देशों में गोद लेने और आईवीएफ के डेटा दिखाते हैं कि बेटियों को चुनने की दिशा में स्पष्ट झुकाव है। दरअसल, पश्चिमी देशों के एकल परिवारों में बेटे अपनी गृहस्थी बसाकर मां-बाप को उनके भाग्य पर छोड़ जाते हैं। ऐसा माना जाने लगा है कि बेटियां बेटों के मुकाबले में ज्यादा संवेदनशील होती हैं और जीवन के अंतिम पड़ाव में मां-बाप को सुरक्षा कवच प्रदान कर सकती हैं। जिसके चलते लोग बेटों के मुकाबले बेटियों को अपनी प्राथमिकता बनाने को तरजीह देने लगे हैं। वहीं भारत में परिस्थितियां एक जटिल तसवीर प्रस्तुत करती हैं। यूं तो सदियों से भारत का समाज पुत्र मोह की ग्रंथि से ग्रस्त रहा है। हालांकि, अब आधिकारिक आंकड़े बता रहे हैं कि देश में शिशु लिंग अनुपात दर में सुधार हुआ है। लेकिन लिंग चयन के लिये किए जाने वाले गर्भपात पर शासन व प्रशासन की कानूनी सख्ती और जागरूकता अभियानों के बावजूद परंपरागत रूप से समाज में गहरी जड़ें जमाने वाला बेटा मोह अब भी प्राथमिकता बना हुआ है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5(2019-21) का सर्वे चिंता बढ़ाने वाला है। सर्वे के अनुसार, लगभग 15 फीसदी भारतीय माता-पिता अभी भी बेटियों की तुलना में बेटों की आकांक्षा रखते हैं। यही वजह है कि हरियाणा,पंजाब और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में विषम शिशु लिंगानुपात चिंता का विषय बना हुआ है।

इसके अलावा, भारत में बेटी वरीयता, जहां यह मौजूद है, अक्सर सशर्त होती है। लड़कियों को भावनात्मक लगाव या घरेलू स्थिरता के लिये तो महत्व दिया जा सकता है, लेकिन जरूरी नहीं कि पोषण, शिक्षा या विरासत तक उन्हें समान पहुंच दी जाए। भारतीय समाज में दहेज जैसी सांस्कृतिक प्रथाएं आज भी बेटी के माता-पिता की बड़ी चिंता बनी रहती हैं। परंपरावादी समाज में यह धारणा बलवती रही है कि बेटियां दूसरे परिवार की हैं। यही वजह है कि ग्रामीण और शहरी गरीब समुदायों में लड़कियां हाशिये पर रख जाती हैं। लेकिन इसके बावजूद भारत को लिंग समानता के वैश्विक आंदोलन की किसी भी तरह अनदेखी नहीं करनी चाहिए।

वैश्विक संबंधों में बदलावों के कूटनीतिक सबक

ज्योति मल्होत्रा

बीते सप्ताह वैश्विक घटनाओं में तेजी से परिवर्तन आये। इनमें इस्राइल- ईरान संघर्ष तेज होने के अलावा कई अप्रत्याशित मोड़ थे। ट्रंप का जी-7 की बैठक छोड़ वापस लौटना व व्हाइट हाउस में पाकिस्तान के दो शीर्ष जनरलों को दिखाया गया लाड़। दरअसल, ईरान के साथ टकराव बढ़ने की स्थिति में अमेरिका पाकिस्तान को अग्रिम मोर्चे के संभावित मित्र राष्ट्र के रूप में देख रहा है। इन बदलावों में भारत के लिए कूटनीतिक सबक निहित हैं।विदेश नीति के बारे में यह कमाल है कि चंडीगढ़ के नित बदलते मौसम से भी अधिक तेजी से बदलती है और आपको पता नहीं होता कि आने वाले तूफान से कैसे निबटा जाए, जब तक कि वह ऐन आपके सिर के ऊपर न आ जाए। पिछले सप्ताह कनानास्किस में कुछ ऐसा ही हुआ। जहां पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए दिल्ली से साइप्रस होते हुए 11,056 किलोमीटर की यात्रा करके पहुंचे थे, दुनिया के कुछ सबसे शक्तिशाली लोग वहां एकत्र थे - सिवाय डोनाल्ड ट्रम्प के, जो जल्दी चले गए क्योंकि इस्राइल ने ईरान पर बमबारी कर दी थी और जैसा कि बाद में पता चला- पाकिस्तान के फील्ड मार्शल असीम मुनीर दोपहर के भोजन पर व्हाइट हाउस आने वाले थे।

यहां, इस सप्ताह वैश्विक मिज़ाज में आए परिवर्तनों से तीन सीखें मिलती हैं - सबसे पहले, महाभारत के अर्जुन की तरह, अपनी नज़र मछली की आंख पर बनाए रखें। साल 2019 में जोर-शोर से लगाए गए नारे, 'अबकी बार, ट्रम्प सरकार' वाले दिनों से लेकर ट्रम्प का मोदी को वाशिंगटन डीसी आने का बुलावा और मोदी द्वारा इसे ठुकराने वाली घड़ी तक, प्रधानमंत्री मोदी के लिए यह एक लंबी और संजीदा यात्रा रही। राजनीति का मुख्य सबक यह है कि राजनीति में न तो कोई स्थायी दोस्त होता है न ही दुश्मन, सिर्फ हित स्थाई होते हैं।घरेलू राजनीतिक मोर्चे पर प्रधानमंत्री इस खेल में माहिर हैं। वे विरोधाभासों का प्रबंधन बहुत खूबसूरती से कर लेते हैं, मसलन एक ओर दलित नेता बीआर अंबेडकर के लिए अपनी घोषित प्रशंसा और दूसरी ओर जाति जनगणना को लेकर उनकी पार्टी की बीते समय में असहजता - तथापि, कांग्रेस द्वारा इस मुद्दे के पीछे हाथ धोकर पड़ जाने के बाद, इस किस्म की जातिगणना करवाने की घोषणा कर देना। हो सकता है कि भाजपा इसका श्रेय छीन ले, खासकर तब जब कांग्रेस अंदरूनी तौर पर कमोबेश बिखरी पड़ी है। अपने पाले में, प्रधानमंत्री ने इस मामले में मतभेदों को जिस बढ़िया ढंग से संभाला है, विदेश मामलों के मोर्चे पर भी उन्हें अवश्य ऐसा ही कर दिखाना चाहिए। दूसरा,जिस बदलाव की बहुत जरूरत है वह है यथार्थवादी होने की काबिलियत। व्हाइट हाउस में पाकिस्तान के दो शीर्ष जनरलों - सेना प्रमुख असीम मुनीर और आईएसआई मुखिया जनरल असीम मलिक - को ट्रंप द्वारा दिखाया गया लाड़-प्यार इस बात का सबूत है कि ईरान के साथ टकराव बढ़ने की स्थिति में अमेरिका पाकिस्तान को अग्रिम मोर्चे के संभावित मित्र राष्ट्र के रूप में देख रहा है।अमेरिका सत्ता की प्रकृति को अच्छी तरह समझता है। पाकिस्तान के राजनीतिक नेतृत्व की अनदेखी करते हुए सीधे उसके सैन्य प्रतिष्ठान से राब्ता बनाकर ट्रंप यह स्पष्ट कर रहे हैं कि उनके पास औपचारिक रूट जैसे तामझाम लिए समय नहीं है। वह जानते हैं कि जो वो चाहते हैं, अगर कोई इसे पूरा सकता है, तो वह है रावलपिंडी स्थित सैन्य प्रतिष्ठान।तो क्या इसका यह मतलब है कि अमेरिका भारत की उस स्थिति पर और ज्यादा यकीन नहीं करना चाहता कि सीमा पार आतंकवाद का प्रायोजक पाकिस्तान है? या फिर अब यह नहीं मान रहा कि पहलगाम कांड पाकिस्तान में बैठे आतंकियों के आकाओं द्वारा करवाया गया था? इसका उत्तर हां और नहीं, दोनों है। निश्चित रूप से अमेरिका भारत के इस विश्लेषण से सहमत होगा कि भारत में सीमा पार से आतंकवाद का प्रायोजक पाकिस्तान है। लेकिन दुर्भाग्यवश, लगता है इस समय उसे पाक की ज़रूरत भारतीयों को पहुंचने वाले उस दर्द से ज्यादा महत्वपूर्ण लग रही है।

इंसान खुद लिख रहा है विनाश पटकथा

विनाश की लीला

गुरूपत शुक्ला

ऐसा प्रतीत होता है कि समृद्ध राष्ट्रों के लिए वैश्विक तनाव एक रणनीतिक आवश्यकता बन चुका है-अपनी सैन्य शक्ति के प्रदर्शन, हथियारों के व्यापार को बढ़ावा देने और अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में वर्चस्व बनाए रखने के लिए। दशकों पुरानी शत्रुता के साथ शांति और अहिंसा की बातें केवल औपचारिक वक्तव्यों तक सीमित हैं। वास्तविकता यह है कि कहीं न कहीं युद्ध का बहाना ढूंढकर उसे भड़का दिया जाता है।इन शक्तिशाली देशों ने अपने ऐतिहासिक विकास की कीमत पर दो गंभीर समस्याएं-पर्यावरण प्रदूषण और वैश्विक ऊष्मीकरण-तीसरी दुनिया के कंधों पर डाल दी हैं। स्वयं आर्थिक रूप से सक्षम होने के बावजूद वे इन समस्याओं से निपटने के लिए न तो पर्याप्त आर्थिक संसाधन साझा करने को तैयार हैं, और न ही कोई वास्तविक उत्तरदायित्व लेने को। इसके विपरीत, वे भारत जैसे उभरते देशों को नेतृत्व का दायित्व सौंपते हैं, शायद इसलिए कि ये देश संसाधनों के अभाव में हमेशा उनकी मदद के मोहताज बने रहें और वैश्विक राजनीति में उनकी शर्तों पर खेलते रहें।

आज दुनिया को जिन वास्तविक युद्धों की आवश्यकता है-भुखमरी, महंगाई, भ्रष्टाचार और युवाओं के भविष्य की सुरक्षा के लिए-वो युद्ध कभी लड़े ही नहीं गए। इसके बजाय, शांतिप्रिय देशों पर आधुनिक हथियारों की वर्षा कर के, राष्ट्रों के भूगोल को युद्धभूमि बना दिया गया। आज जब रूस-यूक्रेन युद्ध एक तीन 'पुरानी त्रासदी' बन चुका है और चीन-ताइवान का टकराव स्थायी तनाव का चित्र बन गया है, तब दुनिया का ध्यान इस्राइल और ईरान के बीच उभरे नए संकट पर केंद्रित है। यह संघर्ष न केवल क्षेत्रीय अशांति का प्रतीक है, बल्कि इसके पीछे छिपी वैश्विक राजनीति की कई परतें भी उजागर करता है। निस्संदहे, इस्राइल को अपने पड़ोसी देशों और आतंकी संगठनों से लंबे समय से खतरे का सामना रहा है। लेकिन इस्राइल को पश्चिमी शक्तियों, विशेषकर अमेरिका का भरपूर समर्थन प्राप्त है-ऐसा समर्थन जो सिर्फ सैन्य या कूटनीतिक नहीं, बल्कि रणनीतिक नियंत्रण के इरादे से संचालित होता है। ईरान जब परमाणु शक्ति की ओर अग्रसर होता है, तो उसे परमाणु अप्रसार संधि का वास्ता देकर रोका जाता है, जबकि जिन देशों के पास पहले से परमाणु हथियार हैं, वे न केवल इस संधि से बाहर हैं, बल्कि अपनी परमाणु क्षमताएं और सैन्य दबदबा लगातार बढ़ा रहे हैं।

हाल ही में इस्राइल ने 'ऑपरेशन राइजिंग लायन' के तहत ईरान के लगभग सैन्य व परमाणु ठिकानों को निशाना बनाते हुए बड़ा हमला किया, जिसमें कई वरिष्ठ कमांडर, सेना प्रमुख और परमाणु वैज्ञानिक मारे गए। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बयान दिया कि ईरान को किसी भी कीमत पर परमाणु शक्ति नहीं बनने दिया जाएगा, क्योंकि वह 'हमारे अस्तित्व के लिए खतरा' है। ईरान ने इसका कड़ा जवाब देने की चेतावनी दी है, जबकि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इसे 'सिर्फ शुरुआत' करार देते हुए ईरान को परमाणु हथियार का सपना ?भूलने की धमकी दी है।

अब प्रश्न यह उठता है कि क्या यह वास्तव में इस्राइल और ईरान का युद्ध है? या फिर यह उन वैश्विक शक्तियों की रणनीति का हिस्सा है जो नहीं चाहतीं कि मुस्लिम दुनिया कभी संगठित या परमाणु रूप से सशक्त हो? क्या यह संघर्ष वाकई आत्मरक्षा का है, या फिर शक्ति-राजनीति की एक सोची-समझी स्क्रिप्ट, जिसमें इस्राइल केवल एक मोहरा है और असली नियंत्रण अमेरिका जैसे देशों के हाथ में है? चाहे युद्ध कहीं भी हो और कोई भी पक्ष लड़ रहा हो, हार अंतत: मानवता की होती है। इसका सबसे बड़ा नुक़सान नई पीढ़ी को भुगतना पड़ता है, जिसकी किताबों में ज्ञान की जगह हथियारों की समझ भर दी जाती है।

जनसेवा के साथ जुनून भी

इंग्लिश चैनल पार करने वाले पहले आईएएस अभिनव गोपाल!

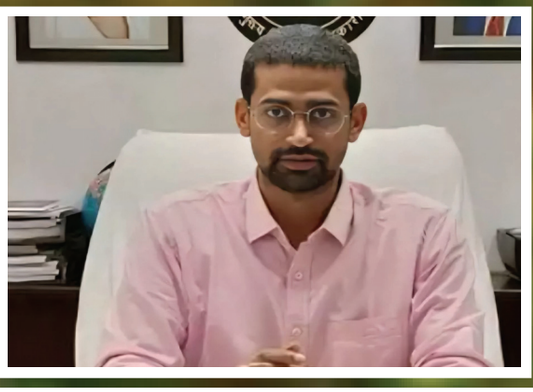

» कानपुर तहसील में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट के तौर पर तैनात रह चुके हैं अभिनव गोपाल

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

गाजियाबाद(यूपी)। जनसेवा, साहस और जुनून–जब ये तीनों एक साथ किसी शख्सियत में मिलते हैं, तो वो मिसाल बन जाते हैं। ऐसे ही हैं गाजियाबाद में तैनात मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) आईएएस अभिनव गोपाल, जिन्होंने हाल ही में इंग्लिश चैनल पार कर इतिहास रच दिया है।

18 जून को उन्होंने इंग्लैंड से फ्रांस के बीच स्थित दुनिया की सबसे कठिन और खतरनाक जल-धारा इंग्लिश चैनल को पार करके एक असाधारण उपलब्धि अपने नाम की। यह जलमार्ग करीब 33 किलोमीटर चौड़ा है, लेकिन तेज लहरों और समुद्री धाराओं के कारण अभिनव को 55 किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ी। उन्होंने यह कारनामा 11 घंटे 19 मिनट में पूरा किया।

स्वराज इंडिया सलाम करता है उस जज्बे को, जो एक आईएएस अफसर को जनसेवा के साथ-साथ देश के युवाओं के लिए प्रेरणा की मिसाल भी बनाता है।अभिनव गोपाल, आप वाकई में 'आयरनमैन' भी हैं और 'आदर्श अफसर' भी।

(रिपोर्ट - स्वराज इंडिया संवाददाता)

इंग्लिश चैनल को पार करना महज तैराकी नहीं, बल्कि एक संघर्ष होता है—बर्फ जैसे ठंडे पानी, अत्यधिक जहाज यातायात और अनिश्चित लहरों से लड़ते हुए इसे पार करना किसी युद्ध से कम नहीं। और यह युद्ध जीता है यूपी के प्रयागराज निवासी, आईएएस अफसर अभिनव गोपाल ने।

पहले आयरनमैन ट्रायथलॉन, अब इंग्लिश चैनल

यह पहली बार नहीं है जब अभिनव गोपाल ने दुनिया को अपने जज्बे से चौंकाया है। पिछले साल उन्होंने आयरनमैन ट्रायथलॉन जैसी विश्व की सबसे कठिन प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था।इस प्रतियोगिता में प्रतिभागी को एक ही दिन में बिना रुके 3.9 किमी तैराकी, 180.2 किमी साइकिलिंग, और 42.2 किमी दौड़ पूरी करनी होती है। अभिनव ने यह कठिन टास्क महज 14 घंटे 28 मिनट में पूरा कर दिखाया।

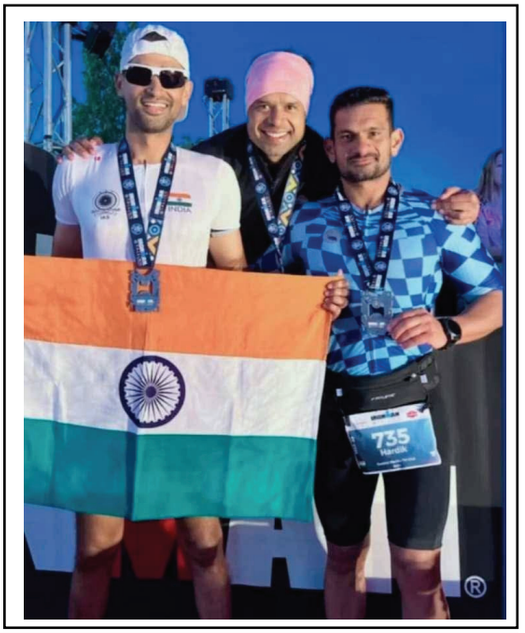

ऐसे की थी तैयारी

सरकारी जिम्मेदारियों के बीच भी उन्होंने इस चुनौती के लिए छह महीने तक रोज सुबह 3:30 बजे उठकर तैयारियां कीं।

हिंडन एलिवेटेड रोड और यमुना एक्सप्रेसवे पर साइकलिंग

सीबीआई अकादमी (गाजियाबाद) और भारद्वाज झील (फरीदाबाद) में तैराकी

इस सफर में उनकी पत्नी ने भी उनका साथ निभाया।

पृष्ठभूमि और प्रेरणा

साल 2017 में अभिनव गोपाल ने भारतीय वन सेवा (IFS) में चयन पाया था। इसके बाद उन्होंने 2020 में यूपीएससी क्लियर कर आईएएस बनकर नया कीर्तिमान रचा। वर्तमान में वे गाजियाबाद में सीडीओ के रूप में कार्यरत हैं।

उनका मानना है कि शरीर की सीमाएं मन की ताकत से टूट सकती हैं।

उनके लिए तैराकी और एथलेटिक्स सिर्फ खेल नहीं, एक आत्मानुशासन और आत्मविश्वास की परीक्षा है।

मानसून में सड़कों पर उतरे नगर आयुक्त सुधीर कुमार

सिटी की सफाई व्यवस्था का लिया जायज़ा, लापरवाही पर जताई अफसरों से नाराजगी

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। मानसून की पहली बारिश ने जैसे ही दस्तक दी, कानपुर नगर आयुक्त सुधीर कुमार तुरंत एक्टिव मोड में आ गए। शनिवार को उन्होंने नगर निगम क्षेत्र में बारिश के दौरान खुद सड़कों पर उतरकर जलभराव, सफाई व्यवस्था और निर्माण कार्यों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी क्षेत्र में जलभराव की स्थिति नहीं होनी चाहिए, और अधिकारी लगातार क्षेत्र में भ्रमणशील रहकर समस्याओं का तत्काल समाधान कराएं।

निरीक्षण की शुरुआत जोन-2 के स्वर्ण जयंती विहार (वार्ड-62) स्थित 1500 मीटर लंबे मुख्य नाले से की गई। नगर आयुक्त ने नाले की सफाई व्यवस्था को संतोषजनक पाया, परंतु उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि साफ-सफाई में निरंतरता बनी रहे ताकि फ्लोटिंग मटेरियल जमा न हो। निरीक्षण के दौरान सड़क पर पाए गए गड्ढों की तत्काल मरम्मत के निर्देश भी दिए गए।

इसके पश्चात नगर आयुक्त ने सीएम ग्रिड परियोजना के अंतर्गत बनाई जा रही सड़क का निरीक्षण किया। कार्यस्थल पर पर्याप्त बेरिकेटिंग न पाए जाने पर नाराज़गी जताते हुए उन्होंने संबंधित ठेकेदार पर अर्थदंड लगाने और निर्माण स्थलों पर सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।फजलगंज क्षेत्र (जोन-5) में नाले की सफाई की समीक्षा करते हुए नगर आयुक्त ने निर्देशित किया कि कार्य में किसी प्रकार की ढिलाई न बरती जाए और नाले पर हुए अतिक्रमण को तत्काल हटाकर जिम्मेदारों पर जुर्माना लगाया जाए।

सीओडी नाले के निरीक्षण में नाले में जमा कूड़ा और आसपास फैली गंदगी देख नगर आयुक्त ने स्वच्छता अधिकारियों, एसएफआई गोरखनाथ एवं सफाई नायक महेश को मौके पर फटकार लगाई। साथ ही आदेश दिए कि डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन को दुरुस्त किया जाए और गंदगी फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

बारा देवी से साइड नंबर-1 के बीच की ग्रीन बेल्ट पर पौधारोपण भी देखा

निरीक्षण के दौरान बारा देवी से साइड नंबर-1 के बीच की ग्रीन बेल्ट पर पौधारोपण कार्य का भी अवलोकन किया गया। नगर आयुक्त ने निर्देश दिए

कि सभी ग्रीन बेल्टों को छायादार वृक्षों से ढका जाए ताकि राहगीरों को प्राकृतिक छाया मिल सके, और शहर अधिक हरित व पर्यावरण अनुकूल बन सके।

नगर आयुक्त सुधीर कुमार के निरीक्षण से यह स्पष्ट हो गया है कि नगर निगम की कार्यप्रणाली में अब लापरवाही के लिए कोई स्थान नहीं है। शहर की सफाई, जलनिकासी और सौंदर्यीकरण के कार्यों में तेजी लाने और अनुशासन स्थापित करने के उद्देश्य से उन्होंने अधिकारियों को कड़े निर्देश देकर एक सशक्त संदेश दिया है कि नगर निगम की प्राथमिकता अब आमजन की सुविधा और स्वच्छता है।

सरवनखेड़ा के 16 स्कूल होंगे मर्ज, बीएसए को भेजा प्रस्ताव

- सरवनखेड़ा के 16 स्कूल होंगे मर्ज, बीएसए को भेजा प्रस्ताव
- 30 से कम नामांकन वाले स्कूलों को नजदीकी विद्यालयों में किया जाएगा शामिल
- अभिभावकों की सहमति से शुरू हुई प्रक्रिया, शिक्षक संगठन कर रहे विरोध

बच्चों को बेहतर शिक्षण वातावरण, सभी विषयों के शिक्षक और एक ही जगह पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध होगी।

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जिले में कम छात्र संख्या वाले विद्यालयों को बंद कर नजदीकी स्कूलों में मिलाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। पहले चरण में सरवनखेड़ा ब्लॉक के 16 स्कूलों को चिह्नित किया गया है, जिनमें 30 से कम छात्र नामांकित हैं। खंड शिक्षा अधिकारी अजीत प्रताप सिंह ने इस संबंध में प्रस्ताव बनाकर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अजय कुमार मिश्रा को भेजा है। समायोजन से पहले छात्रों और उनके अभिभावकों की सहमति ली गई है। अधिकारियों का दावा है कि इससे विलय के तहत संबंधित शिक्षकों और कर्मचारियों को भी समीपस्थ विद्यालयों में समायोजित किया जाएगा।

बीएसए अजय कुमार मिश्रा ने बताया कि जल्द ही सभी निर्धारित स्कूलों का मर्जर पूरा कर लिया जाएगा।

हालांकि शिक्षक संगठनों ने इस कदम का विरोध करते हुए इसे छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ बताया है। उनका कहना है कि सरकार को दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में स्कूलों को सशक्त बनाने की दिशा में काम करना चाहिए, न कि उन्हें बंद करने की नीति अपनानी चाहिए।

एसडीएम देवेंद्र सिंह ने संभाला भोगनीपुर का चार्ज, दिए सख्त निर्देश

- जन समस्याओं का समयबद्ध समाधान और अवैध कब्जों पर कार्रवाई होगी प्राथमिकता
- बाढ़ प्रभावित गांवों का किया निरीक्षण, फसल नुकसान पर किसानों को दिलाया जाएगा मुआवजा

शंकर सिंह/स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर तहसील में पीसीएस अधिकारी देवेंद्र सिंह ने नवागत एसडीएम के रूप में कार्यभार संभालते ही सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप पारदर्शिता, ईमानदारी और जवाबदेही के साथ जनता की समस्याओं का समाधान उनकी पहली प्राथमिकता है। सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि कोई भी शिकायत लंबित न रहे और निर्धारित समय सीमा में निस्तारण किया जाए। उन्होंने चेताया कि अवैध कब्जे, विशेषकर ग्राम समाज, खलियान, बंजर और चारागाह की भूमि पर कब्जा करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा, अवैध खनन को लेकर भी नियमित निरीक्षण और कार्रवाई सुनिश्चित की

जाएगी।चार्ज संभालने के तुरंत बाद एसडीएम देवेंद्र सिंह ने तहसील क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित गांवों – पथार, मुसरिया, चपरघटा और ट्योंगा – का दौरा कर वहां के हालात की समीक्षा की। ग्रामीणों ने उन्हें बताया कि हर साल बाढ़ से हजारों बीघा फसलें बर्बाद हो जाती हैं और भूमि कटान से ज़मीन जमुना नदी में समा जाती है। एसडीएम ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि बाढ़ से पूर्व सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली जाएं और किसानों को मुआवजा दिलाने की प्रक्रिया को प्राथमिकता दी जाए। इस दौरान तहसीलदार प्रिया सिंह सहित अन्य राजस्व व प्रशासनिक अधिकारी भी उपस्थित रहे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादक: अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

SWACHH SURVEKSHAN
#Mera Shahar, Meri Pehchan 2023

Ministry of Housing and Urban Affairs
Government of India

श्री ए० के० शर्मा, नगर विकास मंत्री

श्रीमती प्रमिला पाण्डेय, महापौर

नगर निगम कानपुर

आइए! मिलकर स्वच्छता के प्रति कदम बढ़ाए, अपने कानपुर नगर को स्वच्छ बनाएं।

नगर की सफ़ाई व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में हमे चाहिए आपका सहयोग।
इसी क्रम में हम आपसे अपील करते है कि

- अपने घर के कूड़े को प्रथक-प्रथक करके नगर निगम द्वारा संचालित डोर टू डोर कूड़ा गाड़ी में ही डालें।
- सड़क पर कूड़ा न फेंके।
- आस पास साफ सफाई रखें, कूड़ा कूड़ेदान में ही डालें।
- प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग न करें।
- Reduse, Reuse, Recycle की अवधारणा को अपने जीवन में आदत के रूप में ढालें।
- कानपुर नगर को साफ व स्वच्छ बनाने में कानपुर नगर निगम का सहयोग करें।

/KANPUR MUNICIPAL CORPORATION

श्री सुधीर कुमार (आईएएस) नगर आयुक्त

शक को लेकर पत्नी की हत्या कर फरार पति

» तीन साल की मासूम हुई अनाथ

स्वराज इंडिया संवाददाता

अयोध्या। अयोध्या जनपद के इनायत नगर थाना क्षेत्र के शाहगंज गांव में 22 वर्षीय वर्षा की हत्या ने न सिर्फ जिले को झकझोर दिया, बल्कि रिश्तों की उस भयावह हकीकत को भी उजागर कर दिया, जहां शक, मारपीट और अंततः हत्या ने एक मासूम जिंदगी को लील लिया।

घटना शनिवार शाम करीब 4:30 बजे की है। केवटहिया गांव निवासी सूबेदार निषाद ने अपनी पत्नी वर्षा पर ईंट से उस वक्त हमला किया, जब उसे शक हुआ कि वह किसी और पुरुष से बात कर रही है। वर्षा लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़ी।

उसे आनन-फानन में जिला अस्पताल ले जाया गया, लेकिन वहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया।

ग्रामीणों के अनुसार, वर्षा और सूबेदार के बीच अक्सर झगड़े होते रहते थे। वर्षा दो-तीन बार घर छोड़ चुकी थी, लेकिन हर बार खुद ही लौट आई। किसी ने नहीं सोचा था कि यह सिलसिला इस कदर खतरनाक मोड़ ले लेगा।

उनके रिश्ते में शक और संदेह इतना गहरा हो जाएगा कि एक ईंट की चोट जिन्दगी का अंत कर देगी। वर्षा की मौत से तीन साल की मासूम बच्ची अनाथ हो गई। अब सवाल है कि इस बच्ची का भविष्य कौन संभालेगा?

हत्या कर भागा हत्यारा

पत्नी की मौत के बाद आरोपी सूबेदार निषाद अस्पताल से फरार हो गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पुलिस अधीक्षक ग्रामीण बलवंत चौधरी, क्षेत्राधिकारी मिल्कीपुर श्रीयश त्रिपाठी और शाहगंज

चौकी प्रभारी राममूर्ति कनौजिया ने घटनास्थल का मुआयना किया।

एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी ने बताया कि फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित कर दी गई हैं। जल्द ही आरोपी पुलिस की गिरफ्त में होगा।

यूपी में 4 आईएएस, 4 आईपीएस और 11 पीसीएस अधिकारी 30 जून को होंगे सेवानिवृत्त

प्रशासनिक हलकों में यह दिन एक पीढ़ीगत बदलाव का संकेत भी माना जा रहा है

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की प्रशासनिक और पुलिस व्यवस्था में 30 जून को एक बड़ा बदलाव होने जा रहा है। राज्य सरकार के वरिष्ठतम अफसरों में शामिल चार आईएएस, चार आईपीएस और ग्यारह पीसीएस अधिकारी कल अपने पद से सेवानिवृत्त हो जाएंगे। शासन स्तर पर इन सभी अधिकारियों की विदाई को लेकर औपचारिकताएं पूरी कर ली गई हैं।

प्रशासनिक हलकों में यह दिन एक पीढ़ीगत बदलाव का संकेत भी माना जा रहा है, क्योंकि कई अनुभवी अफसरों की

सेवानिवृत्ति के बाद उनके स्थान पर नए अधिकारियों की तैनाती को लेकर जल्द ही आदेश जारी होने की संभावना है।

प्रदेश सरकार के उच्च अधिकारियों ने सभी सेवानिवृत्तजन को उनके दीर्घकालिक सेवाकाल के लिए आभार और शुभकामनाएं दी हैं। उम्मीद की जा रही है कि शासन उनके अनुभवों का लाभ आगे भी नीति सलाहकार या अन्य संस्थागत रूपों में ले सकता है।

सेवानिवृत्त होने वाले आईएएस अधिकारियों में

जितेंद्र कुमार (1990 बैच)

डॉ. अखिलेश कुमार मिश्र (2009 बैच)

बृजराज सिंह यादव (2012 बैच)

सुरेन्द्र प्रसाद सिंह (2012 बैच)

शामिल हैं। यह सभी अधिकारी राज्य की विभिन्न महत्वपूर्ण प्रशासनिक जिम्मेदारियों में योगदान दे चुके हैं और कई जिलों में डीएम से लेकर सचिव स्तर की सेवाएं दी हैं।

आईपीएस अधिकारियों में

आदित्य मिश्रा (1989 बैच)

विपिन कुमार मिश्रा (2007 बैच)

राहुल राज (2010 बैच)

आदित्य प्रकाश वर्मा (1991 बैच)

30 जून को रिटायर हो रहे हैं। इन अधिकारियों ने यूपी पुलिस को कई संवेदनशील मामलों में नेतृत्व प्रदान किया और कानून-व्यवस्था को संभालने में निर्णायक भूमिका निभाई।

इसके अतिरिक्त 11 पीसीएस अधिकारी भी 30 जून को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। इनमें

राम भरत तिवारी (2006)

कुंवर बहादुर सिंह (2007)

पुरूषोत्तम दास गुप्ता (2009)

सतीश कुमार त्रिपाठी (2012)

हरिओम शर्मा (2012)

राजीव पांडे (2013)

राज नारायण (2015)

हनुमान प्रसाद (2015)

महेंद्र कुमार (2019)

रंजीत कुमार (2018)

सौरभ शुक्ला (2018)

जैसे नाम प्रमुख हैं।

चंद्रशेखर का टावर पर चढ़ना, आ गया काम

अयोध्या कलेक्ट्रेट में टावर पर चढ़ा फरियादी

» मामला जमीन के बंटवारे की पैमाइश से जुड़ा है

स्वराज इंडिया संवाददाता

अयोध्या शहर की सबसे सुरक्षित मानी जाने वाली कलेक्ट्रेट परिसर शुक्रवार को एक सनसनीखेज घटना का गवाह बना, जब थाना रौनाही क्षेत्र के बरई कला निवासी चन्द्रशेखर यादव उर्फ पप्पू नामक एक फरियादी सीधे मोबाइल टावर पर चढ़ गया। यह दृश्य किसी थ्रिलर फिल्म से कम नहीं था। नजूल कार्यालय के पास स्थित ऊंचे टावर पर चढ़ा यह व्यक्ति चीख-चीख कर अपनी फरियाद सुनाता रहा – अभिषेक सिंह के खिलाफ की गई मेरी शिकायत पर अब तक कोई कार्रवाई क्यों नही हुई?करीब आधे घंटे तक न्याय की गुहार हवा में गूंजती रही। कलेक्ट्रेट कर्मी, वादकारी, अधिवक्ता और राहगीर सकते में खड़े तमाशा बनकर देख रहे थे, मानो सिस्टम की नाकामी का लाइव प्रसारण हो रहा हो। दीवानी न्यायालय चौकी प्रभारी को तत्काल सूचना दी गई, और फिर शुरू हुआ उसे उतारने का 'प्रयास' मान-मनौवल, समझाइश, चेतावनी – पर फरियादी टस से मस नहीं हुआ। वह चाहता था, उसका दर्द नीचे नहीं, ऊपर से सुना जाए। ये घटना सिर्फ एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि उस लाचार व्यवस्था की चीख है, जिसमें सुनवाई से पहले इंसान को जान दांव पर लगानी पड़ती है।

स्वराज इंडिया का सवाल ये है – क्या न्याय के दरवाजे बंद हो चुके हैं, जो अब लोग टावर पर चढ़कर इंसाफ मांग रहे हैं?

या फिर हमारी प्रशासनिक संवेदनाएं, सिर्फ गिरने पर जागती हैं? इस घटना ने अयोध्या के प्रशासनिक सिस्टम को कठघरे में खड़ा कर दिया है जवाब किसके पास है?

» हरकत में आया प्रशासन, रकबा हुआ पूरा

स्वराज इंडिया संवाददाता

अयोध्या। स्वराज इंडिया में शुक्रवार को प्रकाशित कलेक्ट्रेट में मोबाइल टावर पर चढ़ा फरियादी शीर्षक खबर का बड़ा असर देखने को मिला। सोहावल के बरई कला गांव निवासी चंद्रशेखर यादव द्वारा अपने जमीन के रकबे को लेकर की गई ज़ोरदार आवाज़, आखिरकार रंग लाई। शनिवार शाम तक न केवल प्रशासन हरकत में आया, बल्कि पूरे घटनाक्रम पर जिलाधिकारी ने व्यक्तिगत निगरानी रखते हुए समाधान तक सुनिश्चित कराया।

बता दे कि शुक्रवार को चंद्रशेखर के टावर पर चढ़ने की घटना ने तहसील प्रशासन की नींद उड़ा दी थी, लेकिन मीडिया में खासकर स्वराज इंडिया में जब खबर प्रमुखता से प्रकाशित हुई, तब मामले की गंभीरता और दबाव दोनों बढ़े। इसके बाद डीएम निखिल टीकाराम फुंडे ने तत्परता दिखाते हुए सीआरओ एसके त्रिपाठी की अध्यक्षता में विशेष टीम का गठन किया और एसडीएम सदर रामप्रसाद तिवारी को विशेष रूप से सहयोग के लिए निर्देशित किया। टीम ने दो दिन तक पैमाइश कर विवाद को सुलझाया और शनिवार शाम तक चंद्रशेखर को पूरा 314 एयर का रकबा दिला दिया।

पीड़ित चंद्रशेखर ने प्रशासन के प्रति संतोष जताते हुए कहा कि पहले दो बार टावर चढ़ने के बावजूद कोई हल नहीं निकला था, लेकिन इस बार मीडिया की सशक्त भूमिका और डीएम के हस्तक्षेप ने इंसाफ दिला दिया। इस घटना से एक बात और स्पष्ट हो गई की यदि जनपद का प्रशासन चाहे, तो दो दिन में दो साल की पीड़ा का समाधान संभव है।

लोकतंत्र की हत्या

समाजवादी पार्टी का भाजपा पर बड़ा हमला

जमीनों की लूट पर अखिलेश यादव ने घेरा, गोरखपुर कांड को बताया लोकतंत्र पर हमला

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि उत्तर प्रदेश में जमीनों को हड़पने का संगठित गोरखधंधा चल रहा है और सरकार व्यापारियों, किसानों और आम लोगों की संपत्तियों को जबरन छीनने में लगी है। लखनऊ स्थित पार्टी मुख्यालय में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में उन्होंने गोरखपुर की घटनाओं को लेकर भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाए और कहा कि अब विरासत गलियारे के नाम पर भाजपा लूट गलियारा चला रही है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने बताया कि गोरखपुर में विरासत गलियारे के नाम पर व्यापारियों के मकान और दुकानें तोड़ी जा रही हैं। जब नेता प्रतिपक्ष श्री माता प्रसाद पांडेय और विधान परिषद में नेता विरोधी दल श्री लाल बिहारी यादव व्यापारियों की आवाज बनने पहुंचे तो भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनके काफिले को रोका, उन पर हमला किया और रास्ते में बुलडोजर तक लगा दिया।

अखिलेश यादव ने इसे लोकतंत्र की हत्या करार दिया और कहा, यह सब कुछ हिटलर के दौर की याद दिलाता है।

जमीन की लूट में सत्ता संरक्षण का आरोप

अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि गोरखपुर में भाजपा नेताओं की शह पर गरीबों की जमीन जबरन छीनी जा रही है। उन्होंने कहा कि जहां भाजपा नेताओं की हिस्सेदारी होती है वहां सर्किल रेट बढ़ा दिया जाता है और जहां जनता की जमीन होती है वहां औने-पौने दाम में अधिग्रहण किया जाता है।गोरखपुर के लोग जानते हैं कि सबसे ज्यादा रजिस्ट्रियां किनके नाम पर हैं। सरकार का असली चेहरा अब जनता के सामने है।अखिलेश यादव ने कहा कि विरासत गलियारे के नाम पर जबरन सहमति ली जा रही है और बाजार मूल्य पर मुआवजा नहीं दिया जा रहा। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार बनी तो फर्जी विरासत गलियारा नहीं, बल्कि जनता के हित में विकास गलियारा बनाया जाएगा।

कानून व्यवस्था पर भी उठाए सवाल

उन्होंने कहा कि जब सरकार जमीनें हड़पने में यस्त है तो कानून व्यवस्था की स्थिति बिगड़नी तय है। जौनपुर में 60 दिन में 26 हत्याएं और गोरखपुर में 17 साल की यूट्यूबर से बलात्कार की घटना इस बात की मिसाल है कि राज्य में

अराजकता फैली हुई है।

भाजपा पर संविधान और आरक्षण विरोधी होने का आरोप

अखिलेश यादव ने भाजपा पर संविधान और आरक्षण विरोधी होने का भी आरोप लगाया और कहा कि सेकुलरिज्म और समाजवाद ही लोकतंत्र को मजबूती देते हैं। भाजपा नफरत की राजनीति करती है और पूंजीवाद को बढ़ावा देती है।

भाजपा द्वारा गोरखपुर और झांसी में मेट्रो चलाने की घोषणाओं को भी अखिलेश ने जुमला करार दिया। उन्होंने कहा कि 20 साल में भी मेट्रो नहीं चल सकी, यह विकास नहीं दिखावा है। बिजली उत्पादन पर भी भाजपा सरकार को घेरते हुए उन्होंने कहा कि जो बिजली आज मिल रही है वह समाजवादी सरकार की देन है।

प्रतिनिधिमंडल पर हमले की दी जानकारी

इससे पहले नेता प्रतिपक्ष श्री माता प्रसाद पांडेय ने पूरी घटना की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कैसे भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रतिनिधिमंडल को रोककर अंडे फेंके, गाड़ियां तोड़ी और हमला किया। उन्होंने घटना स्थल पर ही धरना देने की बात भी साझा की।

प्रेस वार्ता में सपा के कई वरिष्ठ नेता शामिल रहे जिनमें लाल बिहारी यादव, गणेश शंकर पांडेय, राजेन्द्र चौधरी, डॉ. मोहसिन खान, राजमती निषाद, विजय बहादुर यादव, राहुल गुप्ता, ब्रजेश गौतम सहित अन्य नेता उपस्थित रहे।

डीएम के ड्राइवर की बेटी की हत्या का सनसनीखेज खुलासा

प्रेमी गुलशन ने ही मारी थी गोली

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

हाथरस। ज़िलाधिकारी की सरकारी गाड़ी के ड्राइवर राकेश शर्मा की बेटी कल्पिता शर्मा की हत्या के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। पुलिस मुठभेड़ के बाद टांग में गोली मारकर पकड़े गए एक लाख के इनामी गुलशन ने कबूल किया है कि कल्पिता उसकी पत्नी थी और उन्होंने तीन साल पहले शादी की थी, लेकिन अब वह उसे इग्नोर कर रही थी, जिससे वह आहत हुआ और गुस्से में आकर उसने उसकी गोली मारकर हत्या कर दी।

पहले इस हत्या की दिशा कुछ और ही बताई जा रही थी। एफआईआर में कल्पिता के भाई की पत्नी ज्योति के प्रेमी गुलशन और उसके साथी नवीन को आरोपी बनाया गया था। आरोप था कि ज्योति, जो अब अपने प्रेमी के साथ रह रही है, उसी के कहने पर

गुलशन व नवीन ने यह हत्या की और हत्या में इस्तेमाल की गई पिस्टल भी ड्राइवर के घर से चुराई गई थी।

लेकिन पुलिस जांच में कहानी पलट गई। पता चला कि गुलशन, ज्योति का नहीं बल्कि मृतका कल्पिता का ही प्रेमी था और दोनों ने गुपचुप शादी भी की थी। गुलशन का कहना है कि कल्पिता ने अब उससे दूरी बना ली थी, बात करना बंद कर दिया था, जिससे वह टूट गया और उसी के चलते उसने जान ले ली।

इस मामले में गुलशन के साथी नवीन को भी पुलिस ने मुठभेड़ में घायल कर पकड़ा है।

पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि ड्राइवर के घर से पिस्टल की चोरी कैसे हुई और क्या परिवार को इस रिश्ते की जानकारी थी। हाथरस की इस वारदात ने पूरे जिले में सनसनी फैला दी है और पुलिस अब सभी एंगल से जांच में जुट गई है।

खतरे के निशान से ऊपर अलकनंदा

उत्तरकाशी में बादल फटने से डूबे कई लोग

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

उत्तराखंड। उत्तरकाशी जिले के बड़कोट-यमुनोत्री मार्ग पर बलिगढ़ में बीती रात को बादल फटने की घटना ने भारी तबाही मचाई। इस प्राकृतिक आपदा के कारण एक निमार्णाधीन होटल साइट को व्यापक नुकसान पहुंचा है। घटना में 8-9 मजदूरों के लापता होने की खबर है।

उत्तराखंड के पर्वतीय जिलों में शनिवार रात से मूसलाधार बारिश चल रही है। उत्तरकाशी जनपद में जहां बादल फटने से एक होटल के निर्माण कार्य में लगे नौ मजदूर लापता हैं। वहीं यमुनोत्री हाइवे 10 मीटर वॉशआउट हुआ है। इधर, रुद्रप्रयाग और चमोली जनपद में स्थित बद्रीनाथ और केदारनाथ क्षेत्र में भारी वर्षा के कारण मंदाकिनी और अलकनंदा नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर चल रहा है। दोनों जनपदों में पुलिस नदी किनारे रहने वाले लोगों को सुरक्षित जगह पर जाने की अपील कर रही है और तीर्थ यात्रियों व अन्य लोगों को नदी किनारे जाने से भी रोकने की अपील की है। चमोली जिले में बारिश से कई जगह हाइवे पर मलबा और भूस्खलन आने से मार्ग बाधित हुए हैं। मलबा आने से कमेडा नंदप्रयाग में हाइवे बंद है। यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग स्थान पालीगाड़ से करीब 4-5 किमी आगे सिलाई बैंड के पास अतिवृष्टि (भूस्खलन) के कारण 9 मजदूरों के लापता होने की सूचना है। पुलिस, एसडीआरएफ एनडीआरएफ राजस्व, एनएच बड़कोट, स्वास्थ्य विभाग की टीमों द्वारा राहत एवं खोज बचाव का कार्य जारी है।

शादी का वादा कर दिया धोखा!

मुश्किल में फंसे आरसीबी के स्टार यश दयाल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

गाजियाबाद। आईपीएल 2025 की विजेता टीम रॉयल चैलेंजर्स बंगलुरु की टीम के सदस्य यश दयाल मुश्किलों में घिर गए हैं। उनके खिलाफउत्तर प्रदेश की एक महिला ने मानसिक और शारीरिक शोषण के आरोप लगाए हैं। यश दयाल के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है और इसकी आधिकारिक शिकायत उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तक भी पहुंच चुकी है।

शिकायत में उसने मामले की निष्पक्ष और त्वरित जांच की मांग करते हुए यश दयाल के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की अपील की है। उसका कहना है कि यह कदम सिर्फ उसके लिए नहीं, बल्कि उन सभी लड़कियों के लिए भी जरूरी है जो ऐसे झूठे रिश्तों का शिकार हुई हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री कार्यालय ने गाजियाबाद के इंदिरापुरम क्षेत्र के सर्किल ऑफिसर (सीओ) से इस मामले में रिपोर्ट तलब की है।

इंडियन प्रीमियर लीग में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु के लिए खेलने वाले तेज गेंदाज यश दयाल मुश्किल में फंस गए हैं। क्रिकेटर के खिलाफ एक महिला में शादी का झांसा देकर शोषण करने का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई है। रिपोर्ट के मुताबिक महिला गाजियाबाद की रहने वाली है। महिला ने मुख्यमंत्री के ऑनलाइन शिकायत पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज कराई है। महिला ने सोशल मीडिया पर अपने अनुभव साझा करते हुए यश दयाल के साथ अपनी एक तस्वीर और एफआईआर की कॉपी भी पोस्ट की है। महिला ने अपनी शिकायत में बताया कि वह पिछले पांच वर्षों से एक क्रिकेटर के साथ रिश्ते में थी। उसने आरोप लगाया कि उस व्यक्ति ने शादी का शांसा देकर

उसके साथ भावनात्मक, मानसिक और शारीरिक शोषण किया। महिला का कहना है कि उसे क्रिकेटर के परिवार से मिलाया गया और एक बहू की तरह व्यवहार किया गया, जिससे उसने उन पर पूरा भरोसा कर लिया। शिकायत में महिला ने कहा कि जब उसे धोखा महसूस हुआ और उसने विरोध किया, तो उसके साथ शारीरिक हिंसा की गई और गानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया। उसने यह भी बताया कि रिश्ते के दौरान वह आर्थिक और भावनात्मक रूप से यश दयाल पर पूरी तरह निर्भर हो गई थी। महिला ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि यश दयाल न सिर्फ उसके साथ बल्कि अन्य लड़कियों के साथ भी झूठे रिश्तों में शामिल रहा है। उसने बताया कि उसने 14 जून 2025 को उसने महिला हेल्पलाइन 181 पर कॉल किया था पर पुलिस थाने में मामले की कार्रवाई आगे नहीं बढ़ पाई। महिला ने कहा कि वह आर्थिक और सामाजिक रूप से कमजोर स्थिति में है, इसलिए अब वह सीधे मुख्यमत्री कार्यालय से न्याय को मांग कर रही है। उसने दावा किया है कि उसके पास चैट, स्क्रीनशॉट, वीडियो कॉल और तस्वीरों सहित कई सबूत मौजूद हैं।

21 जुलाई तक का दिया गया समय : शिकायत में उराने मामले की निष्पक्ष और त्वरित जांच की मांग करते हुए यक्ष दयाल के खिलाफकानूनी कार्रवाई की अपील की है। उसका कहना है कि यह कदम सिर्फ उसके लिए नहीं, बल्कि उन सभी लड़कियों के लिए जरूरी है जो ऐसे झूठे रिश्तों का शिकार हुई हैं।

रिपोर्ट के अनुसार मुख्यमंत्री कार्यालय ने गाजियाबाद के इंदिरापुरम क्षेत्र के सर्किल ऑफिसर से इस मामले की रिपोर्ट तलब की है। पुलिस को आईजीआरएस पोर्टल पर दर्ज शिकायत कर निपटारा करने के लिए 21 जुलाई तक का समय दिया गया है।

सीधे योगी सरकार से लगाई गुहार

महिला ने आरोप लगाया कि 14 जून 2025 को उन्होंने महिला हेल्पलाइन 181 पर कॉल किया था, लेकिन पुलिस स्टेशन पर कार्यवाही आगे नहीं बढ़ पाई। उन्होंने बताया कि वह आर्थिक और सामाजिक रूप से बेहद असहाय हैं, इसलिए सीधे मुख्यमंत्री कार्यालय से न्याय की गुहार लगा रही हैं. शिकायत में महिला ने कहा है कि उनके पास चैट्स, स्क्रीनशॉट्स, वीडियो कॉल्स, तस्वीरें आदि जैसे सबूत मौजूद हैं। उन्होंने इस मामले की निष्पक्ष और त्वरित जांच की मांग की है और यश दयाल के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की अपील की है.। इस मामले पर क्रिकेटर की ओर से अभी तक कोई बयान नहीं आया है। अगर पुलिस की कार्रवाई आगे बढ़ती है, तो यश दयाल की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

मुहर्रम जुलूस

यूपी डीजीपी राजीव कृष्ण ने मुहर्रम के जारी किए कई आदेश

नए मार्गों और शस्त्र प्रदर्शन पर रहेगा सख्त प्रतिबंध

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो/एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कृष्ण ने गुरुवार को राज्य की सभी पुलिस इकाइयों को नए मुहर्रम जुलूस मार्गों या नई धार्मिक प्रथाओं के लिए अनुमति नहीं देने और जुलूसों के दौरान हथियारों के प्रदर्शन पर प्रतिबंध को सख्ती से लागू करने का निर्देश दिया।

शीर्ष पुलिस अधिकारी ने मुहर्रम के मद्देनजर असामाजिक और सांप्रदायिक तत्वों के खिलाफ निवारक कार्रवाई करने और चौबीसों घंटे सोशल मीडिया की निगरानी करने का भी आदेश दिया। मुहर्रम 27 जून से 6 जुलाई तक मनाया जाएगा। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, सभी जोनल अतिरिक्त पुलिस महानिदेशकों, पुलिस आयुक्तों, रेंज महानिरीक्षकों और उप महानिरीक्षकों तथा जिला वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों और पुलिस अधीक्षकों को जारी विस्तृत निर्देश में डीजीपी कृष्णा ने इस अवधि के दौरान कानून व्यवस्था और सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखने के लिए एक व्यापक रणनीति तैयार की है। इसमें सभी पुलिस थानों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है कि किसी भी परिस्थिति में कोई नई परंपरा या मार्ग की अनुमति न दी जाए। जहां अतीत में विवाद हुए हैं, वहां स्थिति का आकलन करना चाहिए और तनाव को कम करने के लिए जल्द से जल्द कार्रवाई करनी चाहिए।

जांच बढ़ाई जाए

बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, बाज़ार और धार्मिक स्थलों जैसे सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षा जांच बढ़ाई जाएगी। आवश्यकतानुसार बम निरोधक दस्ते, आतंकवाद निरोधक इकाइयाँ और खोजी कुत्तों को तैनात किया जाएगा। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि किसी भी परिस्थिति में यातायात बाधित न हो तथा पुलिस बैरियरों पर संदिग्ध वाहनों की जांच की जानी चाहिए।